एक्सआइएसएस में जीआइएस प्रशिक्षण का नया बैच हुआ शुरू

रांची. एक्सआइएसएस रांची में शनिवार को जियोइंफॉर्मेटिक्स (जीआइएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के 12वें बैच की शुरुआत हुई. इस दौरान 11वें बैच के विद्यार्थियों को विदाई दी गयी. निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे ने पास आउट बैच के 24 विद्यार्थियों को सम्मानित किया. डॉ जोसेफ ने कहा कि जीआइएस तकनीक की जानकारी से युवा रोजगार के नये अवसर को हासिल कर सकते हैं. डॉ प्रकाश दास ने बताया कि छह माह के कोर्स में विद्यार्थी सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार हासिल करने के लिए प्रशिक्षित किये जाते हैं. विद्यार्थी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, मनरेगा, वन विभाग, राजस्व विभाग, पीएमजीएसवाइ, सड़क विकास विभाग, जेएसएसी, कृषि विभाग, खनन, शहरी विकास, पेयजल विभाग, भारत के सर्वेक्षण कार्यक्रम से जुड़ सकते हैं. इस अवसर पर डीन एकेडमिक्स डॉ अमर एरॉन तिग्गा आदि मौजूद थे.

Prabhat Khabhar

जीआईएस की आज हर क्षेत्र में है मांग: डॉ जोसेफ

एक्सआईएसएस

रांची, प्रमुख संवाददाता। एक्सआईएसएस (जेवियर समाज सेवा संस्थान) में जीआईएस (जिओइंफॉर्मेटिक्स) प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का उन्मुखीकरण और 11वें बैच का समापन कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। जीआईएस, छह महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें 30 सीटें उपलब्ध हैं। स्नातकों और स्नातकोत्तर के अलावा आईटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों के किसी भी विषय के विद्यार्थी इसमें प्रवेश ले सकते हैं।

समारोह में 30 छात्रों के नए बैच को शामिल किया गया, जबकि 11वें बैच के 24 छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने के प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर ने किया। उन्होंने कहा कि नए छात्रों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को चुनने के लिए बधाई, जीआईएस की आज लगभग हर क्षेत्र में मांग है।

डीन अकादमिक डॉ अमर ई तिग्गा ने प्लेसमेंट पा चुके छात्रों को शुभकामनाएं दीं। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ प्रकाश चंद्र दास ने बताया कि पिछले कुछ बैचों के छात्रों ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, मनरेगा, वन विभाग, राजस्व विभाग, पीएमजीएसवाई, सड़क विकास विभाग, जेएसएसी और अन्य गैर-सरकारी संगठनों में नौकरी हासिल की है।

Hindustan

सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता : निदेशक

एक्सआइएसएस में नए बैच के इंडक्शन व 11 वें बैच के समापन कार्यक्रम में विद्यार्थी व शिक्षक ● जागरण

छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 30 छात्रों के बैच को किया गया शामिल, एक्सआइएसएस में नए बैच का इंडक्शन

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान रांची में जियो-इंफार्मेटिक्स (जीआइएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का इंडक्शन और 11वें बैच का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जीआइएस, एक्सआइएसएस में चलाए जाने वाला एक छह महीने का ट्रेनिंग प्रोग्राम है। इसमें 30 सीटें उपलब्ध हैं और यूजी, पीजी के साथ-साथ आइटीआइ प्रशिक्षण कार्यक्रमों के किसी भी विषय के छात्र इस कार्यक्रम के लिए आवेदन करते हैं। यह कार्यक्रम 2016 में शुरू हुआ। इस बार 12वां बैच है जिसने अपनी कक्षाएं शुरू की हैं। समारोह के दौरान छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 30 छात्रों के नए बैच को शामिल किया गया जबकि पासिंग आउट बैच के 24 छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि यह हमेशा याद रखें कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है। हम सभी एक विनम्र पृष्ठभूमि से आते हैं और शून्य से शुरू करते हैं। आपको कड़ी मेहनत करनी है। दृढ़ निश्चयी बनना है और इन्हीं गुणों को विकसित करना है।

बच्चों को दी शुभकामनाएं : एक्सआइएसएस के डीन अकादमिक डा. अमर ई तिग्गा ने नए बैच को प्रेरित और प्लेसमेंट पा चुके छात्रों को शुभकामनाएं दी।

Dainik Jagran

the pioneer
Sunday, 23 October 2022

Inaugural-cum-Valedictory ceremony of Geoinformatics (GIS) Training Programme held at XISS

Sunday, 23 October 2022 | PNS | Ranchi

An Inaugural-cum-Valedictory ceremony of Geoinformatics (GIS) Training Programme was held at Xavier Institute of Social Service (XISS) on Friday. Geoinformatics is a six-month long Training Programme run at XISS with 30 seats and students from any discipline of UG, PG as well as ITI Training Programmes apply for this programme. This Training Programme began in 2016 and till now 11 batches have passed out and secured placements.

During the ceremony, a new batch of 30 students were inducted for the six-month training programme, while 24 students from the passing out batch were awarded with their course completion certificates.

Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XIS welcomed the students and said, "I cong each one of you for choosing this trainin programme which has high demand and employability in almost every sector today. But, at

Back To TOP

वर्तमान समय में हर क्षेत्र में है जीआइएस ट्रेंड की डिमांड : डॉ. जोसेफ मरियानुस

एक्सआईएसएस में जीआइएस ट्रेनिंग प्रोग्राम के फ्रेशर्स का इंडक्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में जियो इन्फार्मेटिक्स (जीआईएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का इंडक्शन तथा और 11वें बैच का समापन प्रोग्राम आयोजित किया गया। छह माह की ट्रेनिंग वाले इस जीआईएस प्रोग्राम में कुल 30 सीटें हैं। यूजी, पीजी के साथ-साथ आईटी आई प्रशिक्षण कार्यक्रमों के किसी भी विषय के छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। वर्ष 2016 में शुरू इस प्रोग्राम के स्टूडेंट्स के 12वें बैच की कक्षाओं का आज शुभारंभ हुआ। समारोह के दौरान छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 30 छात्रों के नए बैच को शामिल किया गया। जबकि पासिंग आउट बैच के 24 छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने के प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एक्सआईएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि वर्तमान समय में लगभग हर जीआईएस ट्रेंड की उच्च मांग है और रोजगार की अपार संभावनाएं भी हैं। सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है यह बताते हुए कहा कि आप सभी कड़ी मेहनत करें, दृढ़ बनें तथा अपनी सफलताओं में मजबूत बनें। डॉ कुजूर ने जीआईएस के डॉ दाश को विगत सात सालों से कार्यक्रम के सफल संचालन करने और पिछले बैच के प्लेसमेंट के लिए बधाईयां दी। एक्सआईएसएस के डीन एकेडमिक डॉ अमर ई तिग्गा ने कहा कि जीआईएस अबतक कई पाठ्यक्रमों में फैल गया है। जीआईएस ट्रेंड स्टूडेंट्स अब एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर, माईनिंग तथा एग्रीकलचर के क्षेत्र में अपने ज्ञान व अनुभव से आम नागरिकों की समस्याओं के निदान में समर्पित है। असिस्टेंट प्रोफेसर एंड कोऑर्डिनेटर डॉ प्रकाश चंद्र दाश ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में जीआईएस के व्यापक अनुप्रयोगों के कारण तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। बताया कि प्रोग्राम के दौरान जीआईएस और रिमोट सेंसिंग की अवधारणा और व्यावहारिक अनुप्रयोगों दोनों के बारे पढ़ाया जाता है, जिसे वे शहरी नियोजन, मौसम पूर्वानुमान, भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली, वाटरशेड मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स आदि के क्षेत्र में लागू कर सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्कजीआईएस, एरडस, ईएनवीआई, आई-जीआईएस, क्यू-जीआईएस आदि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस सर्वे उपकरणों की ट्रेनिंग दी जाती है। कार्यक्रम के दौरान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसंधान सहायक सुनील प्रताप कुमार तथा पासआउट बैच के स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

Freedom Fighter

XISS में जीआईएस प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का इंडक्शन

राँची

October 22, 2022 Social News Search

Leave A Comment

रांची : ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में जिओइन्फार्मेटिक्स (जीआईएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का इंडक्शन और 11वें बैच का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया. जीआईएस, एक्सआईएसएस में चलाये जाने वाला एक छह महीने का ट्रेनिंग प्रोग्राम है जिसमें 30 सीटें उपलब्ध है और यूजी, पीजी के साथ-साथ आईटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों के किसी भी विषय के छात्र इस कार्यक्रम के लिए आवेदन करते हैं. यह कार्यक्रम 2016 में शुरू हुआ और यह छात्रों का 12वां बैच है जिसने अपनी कक्षाएं शुरू की हैं.

30 छात्रों के नए बैच को शामिल किया गया

Social News Research

एक्सआईएसएस में जीआईएस प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

हमेशा याद रखें की सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है : डॉ. जोसेफ मारियानुस कुजूर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में जिओइन्फार्मेटिक्स (जीआईएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का इंडक्शन और 11वें बैच का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जीआईएस, एक्सआईएसएस में चलाये जाने वाला एक छह महीने का ट्रेनिंग प्रोग्राम है जिसमें 30 सीटें उपलब्ध है और यूजी, पीजी के साथ-साथ आईटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रमों के किसी भी विषय के छात्र इस कार्यक्रम के लिए आवेदन करते हैं। यह कार्यक्रम 2016 में शुरू हुआ और यह छात्रों का 12वां बैच है जिसने अपनी कक्षाएं शुरू की हैं। समारोह के दौरान छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 30 छात्रों के नये बैच को शामिल किया गया, जबकि पासिंग आउट बैच के 24 छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने

के प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, मैं आप में से प्रत्येक छात्र को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को चुनने के लिए बधाई देता हूं जिसकी आज लगभग हर क्षेत्र में उच्च मांग और बेहतरीन रोजगार क्षमता है। पर यह हमेशा याद रखें कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। हम सभी एक विनम्र पृष्ठभूमि से आते हैं और शून्य से शुरू करते हैं। आपको कड़ी मेहनत करते रहना है, दृढ़ निश्चयी बनना है, और इन्हीं गुणों को विकसित करना है। आप सभी को अपनी असफलताओं से मजबूत होने की आवश्यकता है। डॉ अमर ई तिग्गा, डीन अकादमिक, एक्सआईएसएस ने नए बैच को प्रेरित और प्लेसमेंट पा चुके छात्रों को शुभकामनाएं दी और कहा कि, इस क्षेत्र का दायरा बहुत बड़ा है और अब यह कई पाठ्यक्रमों में भी फैल रहा है। जीआईएस में प्रशिक्षण लेने वाले छात्र अब शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, खनन, और कृषि जैसे क्षेत्रों में कुशल हैं और उन्हें इस ज्ञान को उद्योग और आम लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए लागू करना चाहिए। कार्यक्रम के सहायक प्रोफेसर और समन्वयक डॉ प्रकाश चंद्र दाश ने बताया कि अध्ययन की एक शाखा के रूप में जियोइनफॉरमैटिक्स, विभिन्न क्षेत्रों में इसके व्यापक अनुप्रयोगों के कारण तेजी से लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है और सरकारी और निजी दोनों एजेंसियों द्वारा इसकी स्वीकृति छात्रों को आकर्षित कर रही है।

पिछले कुछ बैचों के छात्रों ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, मनरेगा, वन विभाग, राजस्व विभाग, पीएमजीएसवाई, सड़क विकास विभाग, जेएसएसी, कृषि विभाग, खनन, शहरी विकास, पेयजल विभाग, भारत के सर्वेक्षण के साथ-साथ निजी क्षेत्र और अन्य गैर-सरकारी संगठनों में नौकरी हासिल की है।

Rashtra Navin Mail

वर्तमान समय में हर क्षेत्र में है जीआइएस ट्रेंड की डिमांड : डॉ. जोसेफ मरियानुस

एक्सआईएसएस में जीआइएस ट्रेनिंग प्रोग्राम के फ्रेशर्स का इंडक्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में जियो इन्फार्मेटिक्स (जीआईएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम के नए बैच का इंडक्शन तथा और 11वें बैच का समापन प्रोग्राम आयोजित किया गया। छह माह की ट्रेनिंग वाले इस जीआईएस प्रोग्राम में कुल 30 सीटें हैं। यूजी, पीजी के साथ-साथ आईटी आई प्रशिक्षण कार्यक्रमों के किसी भी विषय के छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। वर्ष 2016 में शुरू इस प्रोग्राम के स्टूडेंट्स के 12वें बैच की कक्षाओं का आज शुभारंभ हुआ। समारोह के दौरान छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 30 छात्रों के नए बैच को शामिल किया गया। जबकि पासिंग आउट बैच के 24 छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने के प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एक्सआईएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि वर्तमान समय में लगभग हर जीआईएस ट्रेंड की उच्च मांग है और रोजगार की अपार संभावनाएं भी हैं।सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है यह बताते हुए कहा कि आप सभी कड़ी मेहनत करें, दृढ़ बनें तथा अपनी सफलताओं में मजबूत बनें। डॉ कुजूर ने जीआईएस के डॉ दाश को विगत सात सालों से कार्यक्रम के सफल संचालन करने और पिछले बैच के प्लेसमेंट के लिए बधाईयां दी। एक्सआईएसएस के डीन एकेडमिक डॉ अमर ई तिग्गा ने कहा कि जीआईएस अबतक कई पाठ्यक्रमों में फैल गया है। जीआईएस ट्रेंड स्टूडेंट्स अब एजुकेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर, माईनिंग तथा एग्रीकलचर के क्षेत्र में अपने ज्ञान व अनुभव से आम नागरिकों की समस्याओं के निदान में समर्पित है। असिस्टेंट प्रोफेसर एंड कोऑर्डिनेटर डॉ प्रकाश चंद्र दाश ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में जीआईएस के व्यापक अनुप्रयोगों के कारण तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। बताया कि प्रोग्राम के दौरान जीआईएस और रिमोट सेंसिंग की अवधारणा और व्यावहारिक अनुप्रयोगों दोनों के बारे पढ़ाया जाता है, जिसे वे शहरी नियोजन, मौसम पूर्वानुमान, भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली, वाटरशेड मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स आदि के क्षेत्र में लागू कर सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्कजीआईएस, एरडस, ईएनवीआई, आई-जीआईएस, क्यू-जीआईएस आदि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस सर्वे उपकरणों की ट्रेनिंग दी जाती है। कार्यक्रम के दौरान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसंधान सहायक सुनील प्रताप कुमार तथा पासआउट बैच के स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

Khabar Mantra

8:28 PM

Tweet

Lagatar News
@lagatarIN

एक्सआईएसएस में जीआईएस ट्रेनिंग प्रोग्राम, निदेशक बोले- सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं

lagatar.in/gis-training-p...
@XISSRanchi

Translate Tweet

lagatar.in
एक्सआईएसएस में जीआईएस ट्रेनिंग प्रोग्राम, निदेशक बोले- सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं

8:08 pm · 22 Oct 22 · Twitter Web App

1 Like

Tweet your reply

Lagatar News